web: www.nyaysakshi.com ‖ पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल ‖ पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, मंगलवार 20 जुलाई 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-03, अंक- 290

महत्वपूर्ण एवं खास

राज्यसभा में मुख्तार अब्बास नकवी उपनेता नियुक्त

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार की ओर से राजनैतिक और संवैधानिक पदों पर होने वाला फेरबदल जारी है। अभी हाल ही में केंद्र सरकार ने मंत्रिमंडल में भारी फेरबदल किया और कई राज्यों के राज्यपाल भी बदले गए। इसी बीच एक नए बड़े फेरबदल की खबर सामने आ रही है। सूत्रों ने सोमवार (19 जुलाई) बताया है कि जल्द ही राज्यसभा में सदन के उपनेता पद पर केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी की ताजपोशी हो सकती है। अभी तक राज्यसभा में सदन के उपनेता केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल थे। पीयूष गोयल को अब राजसभा में सदन का नेता बनाया गया है, इसलिए उपनेता की सीट खाली हो गई है। माना जाता है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता नकवी संसदीय मामलों पर अच्छी पकड़ रखते हैं। वह विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ अच्छे संबंध एवं समन्वय के लिए भी जाने जाते हैं। गौरतलब है कि पीयूष गोयल से पहले थावर चंद गहलोत नेता सदन थे। हालांकि, मंत्रिपरिषद विस्तार से ठीक पहले उन्हें कर्नाटक का राज्यपाल नियुक्त कर दिया गया।

कार्यकर्ता एरेन्ड्रो लीचोम्बम को सुप्रीम कोर्ट से रहात

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने आज यानी सोमवार (19 जुलाई) को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत हिरासत में लिए गए मणिपुर के कार्यकर्ता एरेन्ड्रो लीचोम्बम की तत्काल रिहाई का आदेश दिया है। कोविड-19 से भाजपा प्रमुख प्रोफेसर टिकेंद्र सिंह की मृत्यु पर एरेन्ड्रो ने फेसबुक पर एक पोस्ट किया था कि गोमूत्र गाय का गोबर, कोविड-19 का इलाज नहीं कर सकते। गौरतलब है कि लीचोम्बम पर कोरोना काल में ही एक फेसबुक पोस्ट को लेकर एनएसए के तहत कार्रवाई की गई थी, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर भाजपा नेताओं की आलोचना की थी। इसके बाद उनके पिता ने सुप्रीम कोर्ट में इस कार्रवाई को चुनौती दी थी। जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एमआर शाह की पीठ ने कार्यकर्ता के पिता की ओर से पेश वकील को सुनने के बाद कहा, हम इस व्यक्ति को एक दिन के लिए भी हिरासत में रखने की अनुमति नहीं दे सकते।

अफगानिस्तान में 967 तालिबान आतंकवादी मारे गये, 500 से अधिक घायल

काबुल। अफगानिस्तान के विभिन्न हिस्सों में पिछले चार दिनों के दौरान सुरक्षा बलों के अभियानों में तालिबान के 967 आतंकवादी मारे गये हैं और 500 से अधिक घायल हुये हैं। अफगान सिक्योरिटी एंड डिफेंस फोर्सेज के प्रवक्ता जनरल अजमल शिनवारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के 20 प्रांतों और नौ शहरों में तालिबान के खिलाफ संघर्ष जारी है। उन्होंने कहा, स्थिति के सुधरने की उम्मीद है। एक सैन्य जनरल के तौर पर मैं आश्वस्त करता हूं कि सभी अफगानिस्तानी क्षेत्रों की हिम्मत के साथ रक्षा की जाएगी। पूर्वोत्तर प्रांत तखर के तालुकान शहर के बाहरी क्षेत्र में सुरक्षा बलों और तालिबान आतंकवादियों के बीच संघर्ष की सूचना मिली है। यहां के निवासियों ने मौजूदा स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुये कहा कि तालिबान ने पिछले दो सप्ताह से शहर को अपने नियंत्रण में ले रखा है। तालुकान के एक निवासी अब्दुल करीम ने कहा, स्थिति दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है। तालिबान की गोलीबारी ने यहां के घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। उन्होंने कहा, सरकार को शहर को इस स्थिति से बाहर निकालने का प्रयास करना चाहिए।

पाकिस्तान में बस और ट्रक की टक्कर में 30 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बस और ट्रक की टक्कर में 30 यात्रियों की मौत हो गई जबकि 40 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। घायलों में 4 की हालत गंभीर है। यह भीषण हादसा मुजफ्फरगढ़ के डेरा गाजी खान के पास तनुसा रोड पर हुआ। अधिकारियों ने बताया कि बस सियालकोट से राजनपुर जा रही थी। इस दौरान बस डेरा गाजी खान जिले के ताउनसा बाईपास के पास सिंधु राजमार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घायलों को पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

संसद के मानसून सत्र की हंगामे से हुई शुरूआत

विपक्ष के विभिन्न मुद्दों को लेकर नारेबाजी के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना संकट के बीच संसद के मानसून सत्र की पहले दिन की कार्यवाही में विपक्षी दलों ने विभिन्न मुद्दों को लेकर दोनों सदनों में नारेबाजी करके हंगामा बरपाया। इस हंगामे के कारण बार बार के स्थगन के बाद दोनों कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

संसद का मानसून सत्र की सोमवार को लोकसभा व राज्यसभा में विपक्ष ने अलग अलग मुद्दे उठाए। इन मुद्दों को लेकर विपक्ष के हंगामे के चलते संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों में कार्यवाही शुरू होते ही कोरोना की दूसरी लहर, महंगाई और चीन से जुड़े मामले और पत्रकारों-नेताओं की जासूसी और जनसंख्या नीति के मुद्दे को लेकर हंगामा शुरू हो गया, जिसके चलते लोकसभा और राज्यसभा को 2 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। फिर 2 बजे जब सदन की कार्यवाही जब शुरू हुई तो विपक्ष ने एक बार फिर से हंगामा शुरू कर दिया जिससे लोकसभा को 3.30 बजे और राज्यसभा को तीन बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। इसके बाद तीन बजे राज्यसभा और 3.30 बजे लोकसभा की कार्यवाही फिर से शुरू हुई लेकिन इस बार भी विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया जिसके चलते दोनों सदनों की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

❐ **दोनों सदनों में बरपा विपक्ष का हंगामा-** संसद के दोनों सदनों में कार्यवाही शुरू होते ही कोरोना की दूसरी लहर, महंगाई और चीन से जुड़े मामले और पत्रकारों-नेताओं की जासूसी और जनसंख्या नीति के मुद्दे को लेकर हंगामा शुरू हो गया, जिसके चलते लोकसभा और राज्यसभा को 2 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। स्थगन के बाद दो बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही आरंभ हुई तृणमूल कांग्रेस के सुखेंदु शेखर रॉय ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी मंत्रिपरिषद के जिन सहयोगियों की सूची आज सदन के पटल पर रखी है उनमें एक राज्यमंत्री कथित तौर पर बांग्लादेशी' हैं। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में एक नोटिस दिया है। खड़गे ने कहा कि वह बांग्लादेशी हैं या नहीं, यह जानने को मुझे पूरा अधिकार है।

❐ **पेगासस फोन हैकिंग विवाद पर हंगामा-** पेगासस फोन हैकिंग विवाद पर सोमवार को संसद में जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष ने सरकार पर फोन टैपिंग के गंभीर आरोप लगाए। बता दें कि रविवार को अंतरराष्ट्रीय मीडिया की ओर से जारी इस रिपोर्ट में बड़ा दावा किया गया। इसमें कहा गया कि इस्राइल के पेगासस सॉफ्टवेयर की मदद से भारत में कई नेताओं, पत्रकारों और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों का फोन हैक किया गया है। रिपोर्ट में 150 से ज्यादा लोगों के फोन हैक करने की बात कही गई है।

❐ **डाटा का जासूसी से कोई संबंध नहीं : अश्विनी वैष्णव-** केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फोन पेगासस फोन टैपिंग मामले को लेकर सोमवार को लोकसभा में बयान दिया। उन्होंने कहा कि जासूसी के आरोप गलत हैं। फोन टैपिंग को लेकर सरकार के नियम बेहद सख्त हैं। वैष्णव ने कहा कि डाटा का जासूसी से कोई संबंध नहीं है। केवल देशहित व सुरक्षा के मामलों में ही टैपिंग होती है। बता दें, रविवार को इस्राइली सॉफ्टवेयर पेगासस के माध्यम से देश के कई नेताओं व पत्रकारों के फोन टैप करने का मामला सामने आया था। इसे लेकर संसद में विपक्ष ने जमकर बवाल मचाया और कार्रवाई बार-बार स्थगित करना पड़ी। मंत्री ने कहा कि फोन के तकनीकी विश्लेषण के बगैर यह नहीं कहा जा सकता है कि उसे हैक किया गया था उससे सफलतापूर्वक छेड़छाड़ की गई थी। इससे संबंधित रिपोर्ट में ही कहा गया है कि सूची में नंबर होने का मतलब यह नहीं है कि जासूसी की गई।

❐ **हंगामे के बीच लोकसभा में पीएम का संबोधन-** लोकसभा में मंत्रियों के परिचय के दौरान हंगामे पर पीएम मोदी ने कहा, कुछ लोगों को बहुत तकलीफ हो रही है। आज इस सदन में महिलाएं जो मंत्री बनी हैं, उनका परिचय हो रहा है। यह कौन सी महिला विरोधी मानसिकता है। पीएम मोदी ने कहा,खुशी की बात है कि कई दलित भाई मंत्री बने हैं। हमारे कई मंत्री ग्रामीण परिवेश से है, लेकिन कुछ लोगों को ये रास नहीं आ रहा है।

कोरोना की तीसरी लहर से निपटने की तैयारी, जीवन रक्षक दवाओं का बना रहे स्टॉक

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोविड-19 की तीसरी लहर को देखते हुए केंद्र सरकार ने आवश्यक कोविड-19 दवाओं जैसे रेमडेसिविर और फेविपिराविर का 30-दिवसीय बफर स्टॉक करने का निर्णय लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जीवन रक्षक दवाओं के अलावा सरकार पैरासिटामॉल, एंटीबायोटिक दवाएं और विटामिन जैसी सामान्य दवाओं व सप्लीमेंट्स को फिर से संचित कर रही है।

सूत्रों के अनुसार केंद्र तीसरी लहर से पहले रेमेडिसविर की पांच मिलियन शीशियों की खरीद करने की योजना बना रहा है। बेहतर यह है कि इस बार सरकार अग्रिम भुगतान कर रही है।' सरकार रेमडेसिविर, फेविपिरावि सरीखी दवाओं का स्टॉक बना रही है, ताकि दूसरी लहर जैसी हालत ना पैदा हो। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के मुख्य संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. समीरन पांडा ने यह आशंका जताते हुए कहा, अगस्त से देश में कोरोना की तीसरी लहर दिखाई दे सकती है। पांडा ने गणितीय आकलन के आधार पर आशंका जताई है कि आगामी लहर में रोजाना के मामलों में करीब 50 फीसदी की बढ़ोत्तरी हो सकती है। अगस्त में आने वाली लहर के दौरान रोजाना एक लाख से अधिक मामले सामने आ सकते हैं। हालांकि, दूसरी लहर की तुलना में यह काफी कम है, क्योंकि मई के पहले सप्ताह के दौरान देश में रोजाना चार लाख से भी अधिक मामले सामने आए थे।

एक दिन में 40 हजार से कम हुए नए केस, 499 की मौत

» देश में कोरोना मामलों में शुरू हुई कमी

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश कोरोना की तीसरी लहर की आहट के बीच भारत में आज कोरोना के नए मामले घटे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देशभर में कोरोना के 38 हजार 164 नए मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं, इस दौरान 38 हजार 660 कोरोना मरीज ठीक भी हुए हैं। राहत की बात यह है कि कोरोना से ठीक होने वाले लोगों की दर लगातार 97 फीसदी के पार है।

इससे पहले रविवार को कोरोना के नए मामले 40 हजार के पार थे, जिसने एक बार फिर से चिंता बढ़ा दी थी। देश में अब तक कोरोना से 3 करोड़ 3 लाख 8 हजार 456 लोग ठीक हो चुके हैं। कोरोना ने पिछले 24 घंटे में 499 लोगों की जान भी ले ली है। हालांकि, कोरोना के इलाजरत मरीज अब तेजी से नहीं घट रहे हैं। देशभर में फिलहाल कोरोना के 4 लाख 21 हजार 665 इलाजरत मरीज हैं। यह संख्या कोरोना के कुल संक्रमितों का 1.35 फीसदी है।

साप्ताहिक संक्रमण दर भी 5 फीसदी से नीचे बरकरार है। वहीं लगातार 28वे दिन दैनिक संक्रमण दर 3 फीसदी से नीचे है। वहीं, अभी तक देशभर में कोरोना रोधी टीके की 40.64 करोड़ डोज लगाई जा चुकी हैं। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस की 13,63,123 वैक्सीन लगाई गई, जिसके बाद कुल वैक्सीनेशन का आंकड़ा 40,64,81,493 पर पहुंचा है।

देश में 13 जुलाई को देश में कोरोना के 31,443 मामले सामने आए थे, जबकि 14 जुलाई को यह 38,792 हो गई। 15 जुलाई को 41,806, 16 जुलाई को 38,949, 17 जुलाई को 38,079 और 18 जुलाई को फिर से 41 हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं। डॉ. पांडा का मानना है कि जनता का साथ न मिलने की वजह से कोरोना का ग्राफ बीच में ही ठहर सा गया है।

सुको ने पीएम के निंदात्मक पोस्टर पर एफआईआर व गिरफ्तारी का विवरण मांगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के सिलसिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में कथित तौर पर निंदात्मक पोस्टर लगाने के कारण गिरफ्तार किए लोगों और ऐसे मामलों के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को याचिकाकर्ता से ब्योरा मांगा है।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि वह पुलिस को केंद्र की टीकाकरण नीति की आलोचना करने वाले पोस्टर लगाने पर प्राथमिकी दर्ज नहीं करने का व्यापक आदेश नहीं दे सकता है। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एमआर शाह की पीठ ने याचिकाकर्ता प्रदीप कुमार यादव को ऐसे मामलों की जानकारी जुटाने के लिए एक हफ्ते का वक्त दिया और कहा कि अखबारों की खबरों पर निर्भर रहने की बजाए उन्हें इस संबंध में जानकारी स्वयं एकत्रित करनी चाहिए थी।

दिल्ली, यूपी, मप्र व लक्षद्वीप में केस दर्ज

यादव ने कहा कि दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और लक्षद्वीप में ऐसे मामले दर्ज किए गए हैं और पुलिस को ऐसे मामलों में प्राथमिकी की प्रति याचिकाकर्ता को देने का निर्देश दिया जाए। इस पर पीठ ने कहा अखबार हम भी पढ़ते हैं। लक्षद्वीप का विवाद कुछ अलग था। उसमें महिला को केरल उच्च न्यायालय ने अग्रिम जमानत दे दी है। इस मामले में उस विवाद को लाने की जरूरत नहीं है। दिल्ली और अन्य स्थानों पर कौन से मामले दर्ज हुए हैं, आप उनके बारे में बताएं। न्यायालय ने पुलिस के लिए निर्देश जारी करने से इनकार करते हुए कहा कि यह उन्हें नोटिस जारी करने के समान होगा। इसके साथ ही न्यायालय ने मामले को अगले हफ्ते सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि कोविड रोधी टीकाकरण के सिलसिले में कथित तौर पर मोदी की आलोचना करने वाले पोस्टर लगाने के कारण दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकियों को रद्द किया जाए।

25 लोगों को गिरफ्तार किया गया

याचिका में कहा गया कि 19 वर्षीय युवक, 30 वर्षीय ई-रिक्शा चालक और 61 वर्षीय कारीगर समेत 25 लोगों को दिल्ली पुलिस ने टीकाकरण अभियान के सिलसिले में कथित तौर पर प्रधानमंत्री के निंदात्मक पोस्टर लगाने के लिए गिरफ्तार किया है।

देश में शुरू हुआ 2 से 6 साल के बच्चों पर वैक्सीन का दूसरा ट्रायल

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में बच्चों के लिए वैक्सीन को लेकर परीक्षण किया जा रहा है। भारत बायोटेक अगले सप्ताह 2-6 वर्ष की आयु के बच्चे, जो ट्रायल में शामिल हैं, उन्हें कोवैक्सिन की दूसरी खुराक दे सकती है। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के सूत्रों ने कहा कि कोवैक्सिन की दूसरी खुराक 6-12 वर्ष की आयु के बच्चों को पहले ही दी जा चुकी है।

बच्चों के लिए कोविड -19 वैक्सीन का परीक्षण भारत में महामारी की संभावित तीसरी लहर से पहले चल रहा है। इससे पहले एम्स के निदेशक डॉ रणदीप गुलेरिया ने कहा था कि बच्चों के लिए वैक्सीन सितंबर में उपलब्ध होने की संभावना है। वैक्सीन का ट्रायल बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से कैटेगरी में बांटकर किया जाता है, जिसमें हर उम्र के 175 बच्चों को शामिल किया गया है। वैक्सीन की दूसरी खुराक पूरी होने के बाद अगस्त के अंत तक अंतरिम रिपोर्ट आने की उम्मीद है। अंतरिम रिपोर्ट से यह स्पष्ट होने की उम्मीद है कि यह टीका बच्चों के लिए कितना सुरक्षित है। इस सप्ताह की शुरुआत में, केंद्र सरकार ने दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए कोविड -19 टीकों का ह्यूमन ट्रायल पूरा होने के कगार पर है।

स्पाईवेयर पेगासस के जरिए जासूसी मामले में सरकार की सफाई

» आईटी मंत्री बोले लोकतंत्र की छवि धूमिल करने की साजिश

» कहा , महज संयोग नहीं है मानसून सत्र के ठीक एक दिन किया गया खुलासा

» आरोपों को बताया बेबुनियाद

» सफाई देने वाले आईटी मंत्री और केंद्रीय मंत्री पटेल का भी नाम शामिल

नई दिल्ली(आरएनएस)। इजरायली स्पाईवेयर पेगासस के जरिए पत्रकारों, उद्योगपतियों और नेताओं की जासूसी मामले के खुलासे पर लोकसभा में सरकार ने सफाई दी है। सरकार ने इसे लोकतंत्र की छवि धूमिल करने का प्रयास बताया और कहा कि मानसून सत्र के ठीक एक दिन पहले इस आशय का खुलासा महज संयोग नहीं है। सरकार ने कहा कि जब देश में नियंत्रण और निगरानी की व्यवस्था पहले से है तब अवैध तरीके से निगरानी का सवाल ही नहीं उठता।

इस मामले में संसद के दोनों सदनों में हुए हंगामे के बीच सूचना-प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह सीधे सीधे देश की लोकतंत्र

की छवि धूमिल करने और सरकार को बदनाम करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि वेबसाइट के दावे का कोई आधार नहीं है। यह रिपोर्ट महज सनसनीखेज है। इसके अलावा इसमें कोई दम नहीं है। वैष्णव ने कहा कि आरोप नए नहीं है। ऐसे आरोप पहले भी लगाए गए हैं। रिपोर्ट की विश्वसनीयता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि खुद एनएसओ ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है।

वैष्णव ने कहा कि यह रिपोर्ट मानसून सत्र के ठीक एक दिन पहले आई। पहले भी पेगासस के जरिए व्हाट्सऐप की निगरानी करने संबंधी संवेदनशील आरोप लगाए गए थे। उस समय भी मामले से जुड़े सभी पक्षों ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। मंत्री ने सवाल किया कि क्या यह महज संयोग है कि यह सनसनीखेज रिपोर्ट तब सामने आई जब संसद में मानसून सत्र की शुरुआत हो रही थी। इसमें कुछ भी तथ्यात्मक नहीं है। इस संबंधन में आई प्रेस रिपोर्ट भी देश के लोकतंत्र के साथ-साथ इसके स्थापित संस्थानों की छवि को खराब करने की साजिश प्रतीत होती है। यह रिपोर्ट भारत, भारत के लोकतंत्र और सरकार को बदनाम करने की एक कोशिश है।

इस मामले में दावा किया गया है कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले 300 भारतीयों के फोन नंबरों को हैक कर जासूसी की गई। इनमें 40 पत्रकार, विपक्ष के कई नेता, नौकरशाहों, जजों, वर्तमान सरकार के दो मंत्रियों, संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों, अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं के अलावा सांसदों की लोकसभा चुनाव से ठीक पहले जासूसी कराई गई। इस आशय के खुलासे के बाद संसद के दोनों सदनों में विपक्ष का रुख बेहद आक्रामक है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले वर्तमान इस मामले में लोकसभा में सफाई देने वाले आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव का भी फोन हैक कर जासूसी की गई। तब वैष्णव महज राज्यसभा सदस्य थे। इसके अलावा राहुल गांधी, चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के साथ ही केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल की भी जासूसी का दावा किया गया है। जासूसी का खुलासा करने वाली वेबसाइट का दावा है कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले साल 2018-19 के दौरान तीन विपक्षी नेताओं, दो केंद्रीय मंत्रियों, सुरक्षा एजेंसियों के मौजूदा और पूर्व प्रमुखों और उद्योगपतियों को निशाना बनाया गया।